लिवोसेट्रीजीन डाईहाईड्रोक्लोराईड (विनसेट-एल) टेबलेट के स्टॉक पर रोक लगाई

निर्माता कम्पनी का परिसर सील, जल्द न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा दवा में सक्रिय घटक पाया गया शून्य

जयपुर। औषधि गुणवत्ता को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार सख्त कदम उठा रहा है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में लगातार प्रदेश में दवा निर्माताओं एवं विक्रेताओं के यहां निरीक्षण कर नमूने लिए जा रहे हैं एवं कमियां पाई जाने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में प्रदेश में 24 फर्मों का निरीक्षण कर करते हुए लिवोसेट्रीजीन डाईहाईड्रोक्लोराईड (विनसेट-एल) टेबलेट के स्टॉक पर रोक लगाई गई है एवं करीब 20 लाख रूपए की दवाएं जब्त की गई हैं।

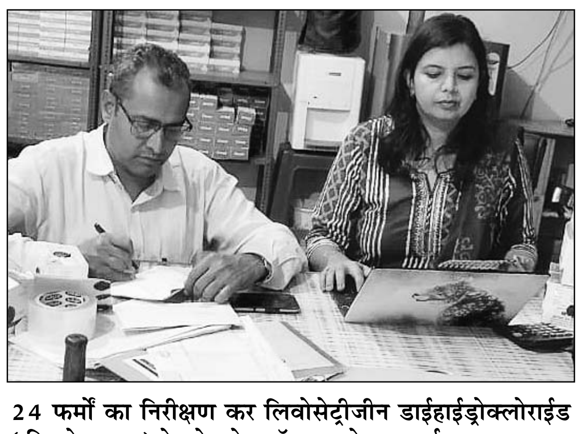

24 फर्मों का निरीक्षण कर लिवोसेट्रीजीन डाईहाईड्रोक्लोराईड (विनसेट-एल) टेबलेट के स्टॉक पर रोक लगाई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि विगत दिनों देशभर में विभिन्न दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सामने आई स्थिति के बाद प्रदेश में औषधि नियंत्रण आयुक्तालय द्वारा दवा निर्माताओं एवं विक्रेता फर्मों का निरीक्षण किया जा रहा है। दवाओं के नमूने लेकर क्वालिटी जांच की जा रही है एवं किसी भी तरह की शिकायत सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने बताया कि विगत दिनों मुखबिर से गोपनीय सूचना मिली थी, जिसके के आधार पर औषधि नियंत्रण अधिकारी, धौलपुर द्वारा वाईएल फार्मा,बद्दी, हिमाचल प्रदेश द्वारा निर्मित लिवोसिट्रीजिन डाईहाईड्रोक्लोराईड(विनसेट-एल) टेबलेट के बैच संख्या वाईएलटी-25023 का नमूना लिया गया। राजकीय विश्लेषक औषधि पऱीक्षण प्रयोगशाला, जयपुर की जांच में यह दवा नकली श्रेणी की पाई गई। इसमें सक्रिय घटक शून्य पाया गया। इस पर औषधि नियंत्रक डॉ. अजय फाटक को प्रभावी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए थे। औषधि नियंत्रक ने राज्य में अलर्ट नोटिस जारी करते हुये विभिन्न जिलों के सहायक औषधि नियंत्रकों के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में विभिन्न 24 फर्मों के निरीक्षण किये गए और उक्त औषधि के बैच पर रोक लगाते हुये शेष बचे स्टॉक को जब्त किया गया।

- **करीब 20 लाख रूपए की दवाएं जब्त**

डॉ. शुभमंगला ने बताया कि वाईएल फार्मा द्वारा निर्मित अन्य औषधियों के अभी तक 44 नमूने व अन्य संदिग्ध निर्माताओं की औषधियों के 9 नमूने लिए गए हैं। साथ ही, करीब 20 लाख रूपए के शेष स्टॉक के विक्रय पर रोक लगा दी गई है। अलर्ट नोटिस जारी होने के उपरान्त कुछ औषधि विक्रेताओं द्वारा नकली औषधि को खुर्द-बुर्द करने का प्रयास किया गया, परन्तु आयुक्तालय के अधिकारियों की सजगता से ऐसे औषधि विक्रताओं को चिन्हित कर औषधि बरामद कर ली गयी।

8 प्रकरणों में 13 कार्मिकों के विरुद्ध की कार्यवाही

जयपुर। राजकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करते हुए राज्य सरकार भ्रष्ट, लापरवाह और अनुशासनहीन कार्मिकों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध 8 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 13 कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की हैं। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 17-ए के अन्तर्गत जल जीवन मिशन की निविदाओं में गड़बड़ी के 1 प्रकरण में 3 अभियंताओं के विरूद्ध विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने का पूर्वानुमोदन किया है। साथ ही, सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के 2 प्रकरणों में वार्षिक वेतन वृद्धियां रोकने के दण्ड से दण्डित भी किया गया है।

गंभीर घायल व सेवानिवृत्त जांबाजों की समस्याओं का करें तत्काल समाधान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा सेवाओं के दौरान घायल तथा उसके उपरांत सेवानिवृत्त हो चुके वीर सैनिकों की समस्याओं की प्राथमिकता से समीक्षा कर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा में अपना जीवन समर्पित करने वाले ये वीर हमारे गौरव हैं, इनके सम्मान और पुनर्वास के कार्यों में किसी भी स्तर पर विलंब नहीं होना चाहिए।शर्मा ने आतंकवाद निरोधी कार्रवाई में घायल और सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे जांबाजों की समस्याओं के समाधान को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी मामलों में जिला प्रशासन सक्रिय भूमिका निभाएं और पात्र वीर सैनिकों, शहीद परिवारों और युद्ध में दिव्यांग हुए सैनिकों को सरकारी योजनाओं, पेंशन एवं अन्य प्रावधानों का पूर्ण लाभ मिलना सुनिश्चित करें।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला कलेक्टर्स को दिए निर्देश**

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि औपचारिकताओं एवं प्रक्रियागत बाधाओं के कारण किसी भी स्तर पर जांबाज वीर सैनिकों को सहायता मिलने में विलंब नहीं होना चाहिए। जिला कलेक्टर अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे सभी प्रकरणों की व्यक्तिगत मॉनिटरिंग करें और जरूरत पड़ने पर विशेष शिविर आयोजित कर जाबांज सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सुरक्षा बलों, सेना, अर्द्धसैनिक बलों और पुलिस में सेवा दे चुके उन जांबाजों की सूची भी तैयार की जाए, जो अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए गंभीर रूप से घायल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वीर सैनिकों एवं सुरक्षा बलों के जवानों के सम्मान और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आमजन से वीर सैनिकों के मान-सम्मान और सहयोग में आगे आने की अपील की।

राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया जाएगा राष्ट्रव्यापी उत्सव : सैनी

जयपुर। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में देशभर में भव्य उत्सवों के आयोजन की घोषणा की है। स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत की ऐतिहासिक भूमिका को ध्यान में रखते हुए देश एवं प्रदेश स्तर पर व्यापक जनभागीदारी वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

- **'7 नवंबर को एसएमएस स्टेडियम में होगा प्रदेश स्तरीय आयोजन, 50 हजार आमजन एक साथ गाएंगे वंदे मातरम्'**
- **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार नियुक्त हुई प्रदेश टोली, भूपेंद्र सैनी को बनाया प्रदेश संयोजक**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने प्रदेश स्तरीय एवं संभाग स्तरीय टोलियों का गठन किया है। भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी को वंदे मातरम् 150वां वर्ष कार्यक्रम का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है, जबकि युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री प्रेम सिंह बनवासा एवं प्रीति शर्मा को प्रदेश सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सैनी ने बताया कि संभाग स्तरीय टोली में जयपुर संभाग रघुनाथ नरेडी, भरतपुर संभाग भानू प्रताप सिंह,

जोधपुर संभाग महेंद्र बोहरा, अजमेर संभाग अजीत मेहता, बीकानेर संभाग महावीर रांका और उदयपुर संभाग में कमलेश पुरोहित को संयोजक बनाया है।

प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि राज्यभर में देशभक्ति, स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संगठन और सरकारी स्तर पर वृहद आयोजन किए जाएंगे। 7 नवंबर को एस.एम.एस. स्टेडियम, जयपुर में भव्य प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें लगभग 50,000 से अधिक आमजन एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर प्रदेश स्तरीय टोली ने प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भेंट की और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आवश्यक सहयोग का आश्वासन देते हुए कार्यक्रम को जनभागीदारी से जोड़ने का आ ान किया।

सैनी ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को एक बैठक आयोजित की गई, इसमें कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई और सभी स्तरों पर समन्वय बनाए रखने पर चर्चा की गई। अभियान के तहत संभाग, जिला, नगरीय निकाय, पंचायत राज संस्थान, स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, अस्पताल एवं पुलिस थानों सहित राज्यभर में कार्यक्रम किए जाएंगे। वहीं संगठन स्तर पर 150 स्थानों पर 150 कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक वंदे मातरम् गायन किया जाएगा। सांसदों की उपस्थिति में प्रत्येक जिले के एक कॉलेज में विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अतिरिक्त वंदे मातरम् आधारित प्रदर्शनी, सोशल मीडिया जनजागरण अभियान एवं राष्ट्रव्यापी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला भी आयोजित की जाएगी।

अनुकम्पा नियुक्ति के 10 प्रकरणों में दी शिथिलता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजकीय कार्मिक की मृत्यु के उपरांत आश्रित द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के विभिन्न 10 प्रकरणों में शिथिलता प्रदान की है। शर्मा के इस संवेदनशील निर्णय से मृतक आश्रित परिवारों को संबल मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने आवेदन में विलम्ब के 6 प्रकरणों में शिथिलता देते हुए मृतक राजकीय कर्मचारियों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने का अनुमोदन किया है।

सचिवालय में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत व्यक्ति ने लगाया फंदा

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में सचिवालय में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत एक व्यक्ति ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक ने आत्महत्या से पहले पहले तीन पेज का सुसाइड नोट लिखा। इस सुसाइड नोट की फोटो खींचकर समाज के वॉट्सऐप ग्रुप पर भेजा। इस सुसाइड नोट में पारिवारिक कलह और ससुरालवालों से परेशान होने की बात लिखी है। सुसाइड नोट के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

जांच अधिकारी एसआई कालूराम ने बताया कि करणी विहार के रजनी विहार निवासी घीसालाल शर्मा (56) ने आत्महत्या की है। जो सचिवालय में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थे। जिन्होंने शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि को फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया कि मृतक घीसालाल शर्मा ने फंदा लगाने से पहले तीन पेज का सुसाइड नोट लिखा। इस सुसाइड नोट की फोटो खींचकर समाज के वॉट्सऐप ग्रुप पर भेज दी थी। वॉट्सऐप ग्रुप पर सुसाइड नोट की फोटोज के साथ ही सुसाइड करने का मैसेज भी लिखा था। सुसाइड करने का मैसेज पढ़कर रिश्तेदार-परिजन रविवार सुबह उनके घर पहुंचे।

दुग्ध उत्पादन व पशु आहार का वार्षिक टर्नओवर 10,000 करोड़ रु. पहुंचा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री शर्मा की डेयरी क्षेत्र को दी गई विशेष प्राथमिकताओं एवं प्रोत्साहनकारी नीतियों का परिणाम है कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन एवं पशु आहार का वार्षिक टर्नओवर 8,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तक पहुँच गया है।

दुग्ध उत्पादन एवं प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि राज्य के डेयरी सेक्टर को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस उल्लेखनीय प्रगति के फलस्वरूप डेयरी क्षेत्र में वार्षिक मुनाफे में 46 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी पिछले 47 वर्षों के इतिहास में सर्वाधिक है। इसके साथ ही, राज्य की 24 दुग्ध संघों में से पहले घाटे में चल रहे 15 संघ अब लाभ की स्थिति में आ चुके हैं। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और दुग्ध उत्पादक किसानों के विश्वास और योगदान का परिणाम है।

- **प्रसंस्करण क्षमता बढ़कर हुई 52 लाख लीटर प्रतिदिन**

राज्य की डेयरी प्रसंस्करण क्षमता भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। पिछले वर्ष 48 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता को बढ़ाकर अब 52 लाख लीटर प्रतिदिन कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष के अंत तक इसे 65 लाख लीटर प्रतिदिन तक पहुँचाने का लक्ष्य है। यह विस्तार राज्य में दुग्ध उत्पादन, संग्रहण एवं वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

डेयरी सहकारिता को मज़बूत करते हुए पिछले एक वर्ष में 1,000 नई डेयरी सहकारी समितियों का गठन किया गया है, 2,000 संकलन केंद्र स्थापित किए गए हैं तथा 1 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादक किसानों को सहकारी नेटवर्क से जोड़ा गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं तथा दूध उत्पादक किसानों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ग्रामीण किसानों के घरों पर 10 हजार फ्लोटैक्सी बायो-गैस प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं, जिसमें से लगभग 2 हजार 500 फ्लोटैक्सी बायो-गैस प्लांट लगाए जा चुके हैं। इससे न केवल स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध होगी, बल्कि पशुपालकों की लागत में भी कमी आएगी।मुख्यमंत्री शर्मा की मंशा के अनुरूप डेयरी क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी विकास, किसान हितैषी योजनाओं एवं सहकारिता की भावना के साथ राजस्थान को दुग्ध उत्पादन के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

तुलसी शालिग्राम विवाह आयोजित

जयपुर। श्री गोविंद धाम की कृपा से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 30 अक्टूबर से गोपालपुरा बसंत विहार सिंधी कॉलोनी में हो रहा है व्यास पीठ पर कथा वाचक डॉ प्रशांत शर्मा संगीतमय वाणी से भक्तों को कथा श्रवण करवा रहे हैं कथा के प्रसंग में आज देवउठनी एकादशी के उपलक्ष में नंदोत्सव और तुलसी शालिग्राम विवाह उत्सव मनाया गया। शालिग्राम और तुलसी की पूजा अर्चना कर भगवान शालिग्राम को तुलसी की परिक्रमा करवा कर विधिवत फेरे करवाए गए। देवउठनी एकादशी पर उदियात तिथि के अनुसार छोटी काशी के घर-मंदिरों में तुलसी जी और शालिग्रामजी का विवाह संपन्न करवाया गया । जो दंपत्ति कन्या-दान का अवसर नहीं पा सके। वे तुलसी का कन्यादान करके अत्यंत पुण्य अर्जित कर सकते हैं । एकादशी को दीपदान करने से महान पुण्य की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में देवोत्थान एकादशी का व्रत हजार अश्वमेध यज्ञों और सौ राजसूय यज्ञों के बराबर बताया गया है।

'कांग्रेस शासनकाल में हुई सिर्फ हवाबाजी, भजनलाल सरकार कर रही धरातल पर काम'

जयपुर। डेयरी एवं पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने पशुपालकों को वास्तविक लाभ पहुंचाने की बजाय सिर्फ चुनावी घोषणाएं की। जबकि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार पशुपालकों के हित में धरातल पर कार्य किया है। कुमावत ने नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीकाराम जूली द्वारा लगाए गए आरोपो का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में चुनावी लाभ लेने के लिए महंगाई राहत कैंपों का आयोजन किया था। - इन कैंपों में लगभग 1.10 करोड़ पशुपालकों के लगभग 1.98 लाख पशुओं का पंजीकरण की घोषणा की गई - , मगर जब योजना की शुरूआत की गई तो मात्र 687 पशुपालकों के 1 हजार 64 पशुओं का ही बीमा किया गया। श्री कुमावत ने कहा कि इसके पश्चात योजना पर कोई कार्य नहीं हुआ और उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इन बीमित पशुओं में से 21 मृत पशुओं की कुल दावा राशि 7 लाख 3 हजार रुपये का पशुपालकों को भुगतान किया गया। उन्होंने कहा कि इन दावों का निस्तारण भी वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही हुआ है। इससे साफ जाहिर होता है कि पूर्व कांग्रेस सरकार की मंशा पशुपालकों के कल्याण की बजाय कागजी खानापूर्ति के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना था।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने पशुपालकों को लाभ पहुंचाने के लिए धरातल पर ठोस कार्य किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के राज्य बजट में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 21 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा किए जाने की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि योजना में दुधारू पशुओं के अलावा भेड़, बकरी एवं ऊंट का भी निःशुल्क बीमा करने का निर्णय लिया गया है, जबकि पूर्व कांग्रेस शासन में गाय और भैंस का ही बीमा किया जाता था।

पशुपालन मंत्री कुमावत ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5 लाख 52 हजार 892 पशुपालकों के 10 लाख 60 हजार 520 पशुओं का निःशुल्क बीमा अब तक किया जा चुका है, जो कि देश के किसी भी राज्य में सर्वाधिक पशुओं का निःशुल्क बीमा है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मृत पशुओं के मुआवजे हेतु प्राप्त 16 हजार 260 दावों में से 6 हजार 365 दावों का निस्तारण कर दिया है। शेष दावों के भुगतान की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। अब तक पशुपालकों को भुगतान हेतु 9.61 करोड़ रुपये की राशि का अनुमोदन किया जा चुका है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना का दायरा दुगना करते हुए 21 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा किया जाना प्रस्तावित है। जोराराम कुमावत ने कहा कि उपरोक्त तथ्यों के तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट होता है कि कांग्रेस नेता भ्रामक बयानबाजी कर प्रदेश की जनता को बरगलाने का असफल प्रयास कर रहे हैं, मगर जनता उनके झूठ को पहचान चुकी है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 7 व 8 नवम्बर को

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के संयुक्त तत्वावधान में सशक्तीकरण क्षमताएँ - दिव्यांगजनों के अधिकारों को आगे बढ़ाना विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 7 व 8 नवम्बर, 2025 को एक्स-ऑडिटोरियम, सेंट जेवियर्स कॉलेज परिसर जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। जिसके पोस्टर का विमोचन जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और अधिकारों की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है। यह सम्मेलन दिव्यांगजनों के अधिकारों, समावेशी नीतियों और सशक्तिकरण के नवीन आयामों पर केंद्रित रहेगा।

ट्रस्ट सदस्य, मीडिया प्रभारी एवं स्वास्थ्य कल्याण होमियोपैथिक कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य, प्रो.डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया इसमें देशभर से लगभग 250 प्रतिभागी भाग लेंगें जिसमें विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों के अधिकारों, पुनर्वास, सामाजिक सशक्तिकरण, सीएसआर सहयोग और नीति निर्माण पर अपने विचार एवं अनुभव साझा करेंगें।

जवाहर कला केन्द्र में म्यूज़िकल सिम्फनी कार्यक्रम का आगाज

अलीना ने सजाया ग़ज़ल का गुलदस्ता, अश्विन श्रीनिवासन और ओजस अढ़िया की जुगलबंदी ने मन मोहा

जयपुर। जवाहर कला केंद्र, जयपुर की ओर से आयोजित 'म्यूज़िकल सिम्फनी' कार्यक्रम की रविवार को सुमधुर शुरुआत हुई। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के पहले दिन सुरों, ग़ज़लों और शास्त्रीय संगीत की जुगलबंदी ने शाम को खास बना दिया। इस दौरान जयपुर कलेक्टर जितेन्द्र सोनी, केन्द्र की अतिरिक्त महानिदेशक सुश्री प्रियंका राठौड़ व बड़ी संख्या में कलाकार मौजूद रहे।

- **आज समंदर खान मांगणियार व समूह के कलाकारों की गायन प्रस्तुति**

जवाहर कला केंद्र, की ओर से आयोजित 'म्यूज़िकल सिम्फनी' कार्यक्रम की रविवार को शुरुआत हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत गायिका अलीना भारती ने ओल्ड मेलोडी गीतों से की। उन्होंने मेरी आवाज़ ही मेरी पहचान है गीत से माहौल में सुरीले रंग घोले। इसके बाद तू जहाँ जहाँ रहेगा मेरा साया साथ होगा, पिया तोसे नैना लागे रे और दिल चीज़ क्या है आप मेरी जान लीजिए जैसी लोकप्रिय रचनाओं ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने रंजिश ही सही और आज जाने की ज़िद न करो जैसी ग़ज़लों से सुरमयी माहौल को भावनाओं से भर दिया। तबले पर मोहित चौहान, गिटार पर नदीम अली, की-बोर्ड पर ईशान खान, हारमोनियम पर शेर खान ने संगत की।इसके बाद जुगलबंदी की वो मनमोहक प्रस्तुति हुयी जिसके लिए बड़े जज्बा से श्रोता इंतजार कर रहे थे। बांसुरी वादक अश्विन श्रीनिवासन और तबला वादक ओजस अढ़िया की जबरदस्त जुगलबंदी ने महफिल में जान भर दी। उन्होंने सबसे पहले राग पूरियाधनश्री को अपनी प्रस्तुति का आधार बनाया। विलंबित एक ताल में बड़ा ख्याल की प्रस्तुति दी गयी। इसके बाद मध्यलय तीन ताल में बंदिश पायलिया की झंकार से श्रोताओं के मन में सुरीली झंकार उठी। द्रुत तीन ताल में छोटा ख्याल की अश्विन श्रीनिवासन की बंदिश चैन ना आवे के साथ महफिल आगे बढ़ी। राग भूपाली की बंदिश प्रभु मोरी अरज सुनों की प्रस्तुति ने माहौल को आध्यात्मिक बना दिया।

गौरतलब है कि अश्विन श्रीनिवासन ऑल इंडिया रेडियो के ए-ग्रेड कलाकार, सुर-मणि पुरस्कार से सम्मानित और ए.आर. रहमान के बैंड के प्रमुख सदस्य हैं। वहीं देश के सुप्रसिद्ध तबला वादक ओजस अढ़िया, उस्ताद बिस्मिल्लाह ख़ाँ युवा पुरस्कार से सम्मानित हैं और उनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भारत के सबसे युवा तबला वादक के रूप में दर्ज है। वहीं अलीना भारती 'सुपर सिंगर प्लस राजस्थान' की विजेता और 'सा रे गा मा पा' की टॉप 30 फाइनलिस्ट रहीं है।

कांस्टेबल ने दहेज में आए ग्यारह लाख रुपये लौटाए

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात कांस्टेबल जतन सिंह ने अपनी शादी में एक मिसाल पेश की है। उन्होंने दहेज में आए 11 लाख रुपये लौटा दिए। कांस्टेबल जतन सिंह जयपुर की ब्रह्मपुरी थाने में तैनात है। कांस्टेबल जतन सिंह ने कहा कि समाज से दहेज प्रथा हटानी चाहिए। उन्होंने समाज में एक अच्छा संदेश दिया। वह चूरू के रहने वाले हैं और उनकी बारात झुनझुनू के बिजौली गाँव में पहुँची है। उनकी शादी पूनम कंवर से हुई है। कांस्टेबल जतन सिंह के पिता महावीर सिंह सामान्य परिवार से हैं और उन्होंने भी अपने बेटे के निर्णय पर गर्व महसूस किया।

कांस्टेबल जतन सिंह ने बताया कि वह पुलिस में हैं और दहेज के मामले उनके सामने आते रहते हैं। किस प्रकार से दहेज लोभी बेटियों को प्रताड़ित करते हैं। गरीब माता-पिता से लोभी मोटी रकम ली जाती है। पुलिस भर्ती होने के बाद से ही उन्होंने सोचा था कि जब वह शादी करेंगे तो बिल्कुल भी दहेज नहीं लेंगे।

जब उनकी शादी तय हुई थी तो उन्होंने तब भी दहेज के लिए मना किया था, लेकिन जब वह आज बारात लेकर पहुँचे तो बेटी के माता-पिता और परिवार की तरफ से उनको लाख और कुछ जवाहरात दिए गए, लेकिन जतन सिंह ने लेने से इनकार कर दिया।

डायलिसिस सेंटर व कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल वैन शुरू

जयपुर/नागौर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में कैंसर स्क्रीनिंग सुविधाओं को निचले स्तर तक मजबूत बनाया जा रहा है, ताकि समय पर लक्षणों की पहचान कर आमजन का जीवन बचाया जा सके।

- **गांव-ढाणी तक बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता : चिकित्सा मंत्री**

इसी कड़ी में अब नागौर जिले के गांव-ढाणियों में आमजन को घर के नजदीक ही स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। इस जांच में विशेष रूप से कैंसर की स्क्रीनिंग की जाएगी, जिसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर जांच की सुविधा सुलभ कराने के उद्देश्य से कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल वैन का संचालन शुरू किया गया है। रविवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर ने हरी झंडी दिखाकर इस मोबाइल वैन को रवाना किया।

मंत्री खींवसर ने कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल वैन का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने खींवसर के राजकीय जिला अस्पताल में डायलिसिस सेंटर का विधिवत उद्घाटन भी किया। डायलिसिस सेंटर के प्रारंभ होने से अब इस क्षेत्र के किडनी रोगियों को बड़ी राहत मिलेगी। यहां रोगियों के उपचार हेतु दो डायलिसिस मशीनों की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। चिकित्सा मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण अंचलों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचें। पहले लोगों को बड़ी एवं गंभीर बीमारियों की जांच और उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता था, लेकिन अब सरकार ऐसी सुविधाएं गांव-ढाणी तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चिकित्सा मंत्री ने खींवसर ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का समय पर पता लगना ही उपचार का पहला कदम है और इस दिशा में यह मोबाइल वैन ग्रामीण स्वास्थ्य क्रांति का माध्यम बनेगी।